|| VIDYA PARAMAISHWARYAM ||

विद्याज्ञान स्कूल,बुलंदशहर
CBSE बोर्ड परीक्षा SET-1 [प्रश्न पत्र कोड- 3/4/1]
सत्र- 2021-22
कक्षा- दसवीं

विषय- हिंदी (अ-002) **उत्तरमाला** **निर्धारित समय– 2 घंटे**
दिनांक- 18.05.2022 **अधिकतम अंक– 40**

निर्देश:

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्याँकन को अधिकाधिक सरल एवं सार्थक बनाना है|इस प्रश्न पत्र में वर्णनात्मक प्रश्न हैं| अत: अंकयोजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं| ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ|**
- **समान त्रुटियों के लिए स्थान-स्थान पर अंक न काटे जाएँ|**
- **गुणवत्तापूर्ण, सटीक उत्तर पर शत-प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए|**
- **मूल्याँकन में 0 से 100 प्रतिशत अंकों का पैमाना स्वीकार्य है|**
- **मूल्याँकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए|**

TIMESNOW

	खंड- अ (वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित संकेत)	
	पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पुस्तक पर आधारित प्रश्नोत्तर	**20**
प्रश्न 1.	**प्रश्नों के उत्तरों की शब्द सीमा 25-30 शब्द –** **(शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)**	**[2x4=8]**
	(क) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर फ़ादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व के किन्हीं दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए जिनसे आप प्रभावित हैं| इस प्रभाव के उपयुक्त कारण भी स्पष्ट कीजिए| **उत्तर- पाठ में लेखक ने फादर कामिल बुल्के के करुणापूर्ण और वात्सल्यता से भरे हुए व्यक्तित्व के बारे में बताया है| उन्होंने अपने सभी मित्रों और संबंधियों के प्रति अपने संबंध को ममता, त्याग, आत्मीयता, वात्सल्यता आदि गुणों से सींचा| एक विदेशी होने के बावजूद भी फ़ादर ने भारत को अपनी कर्मभूमि ही नहीं बनाया बल्कि भारतीय संस्कृति को पूर्णरूपेण अपनाया, अंतिम समय तक हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने का प्रयास किया है| हम उनके व्यक्तित्व के इन्हीं पहलुओं से प्रभावित हैं कि उनके संपर्क में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने सारे दुखों को भूल जाता था क्योंकि वे सदा किसी बड़े की भाँति उन पर अपने आशीष की वर्षा करते रहते थे| उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर प्रत्येक भारतीय को भी अपने देश की उन्नति के लिए इसी प्रकार प्रयत्नशील रहना चाहिए|**	

	(ख) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के लेखक और फ़ादर के संबंध, आपकी दृष्टि में कैसे थे? इससे फ़ादर के स्वभाव के विषय में क्या कहा जा सकता है? **उत्तर- लेखक और फ़ादर के मध्य आत्मीय, पारिवारिक भ्रात-संबंध थे| फ़ादर हर पल लेखक के सुख-दुख में भी सदैव साथ रहते थे, जब लेखक की पत्नी और पुत्र की मृत्यु हुई तो उनके सांत्वना भरे शब्दों से ही लेखक के मन को असीम शांति मिली|लेखक के बच्चे के 'अन्नप्राशन' संस्कार में फ़ादर द्वारा बच्चे के मुख में पहली बार अन्न डालना फ़ादर की असीम वात्सल्यता को दर्शाता है| उस समय लेखक को उनकी नीली आँखों में तैरती हुई वात्सल्य की भावना ऐसी लगी कि वह देवदार की छाया में खड़ा हो| इतनी ममता, इतना अपनत्व इस साधु में अपने हर एक प्रियजन के लिए उमड़ता रहता था| /स्वविवेकानुसार** **(ग) 'लखनवी अंदाज़'** पाठ में लेखक ने नवाब साहब की किस प्रकार की सनक का परिचय दिया है? ऐसी सनक के क्या-क्या परिणाम हो सकते हैं? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए|| **उत्तर- खीरे के संबंध में नवाब साहब का व्यवहार उनकी सनक ही है क्योंकि कोई समझदार व्यक्ति ऐसा कदापि नहीं करेगा| यह सनक नकारात्मक कही जाएगी| ऐसी सनक के ग्रसित व्यक्ति अपना जीवन तो दुखमय बनाता ही है, अपने साथ जुड़े सब आत्मीयजनों का जीवन भी दूभर कर देता है| वह यथार्थ को स्वीकार नहीं कर पाता और समाज से विलग हो जाता है| उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है| किसी के सामने आ जाने पर स्वयं विचलित हो जाता है| कोई व्यक्ति जो पहले धनी था पर अब निर्धन हो गया है और अपनी उसी प्रतिष्ठा को साथ लेकर अतीत में ही रहना चाहता है, वह नवाव साहब की तरह दिखावटी जीवन जीने पर विवश रहता है|** **(घ) 'लखनवी अंदाज़'** पाठ में लेखक ने नवाब साहब को खीरे खाने की तैयारी करते देख लेखक ने क्या सोचा? उसके मन में कौन-सी इच्छा जगी और नवाब साहब के पूछने पर उसने खाने से क्यों मना कर दिया? **उत्तर- नवाब साहब को खीरे खाने की तैयारी करते देख लेखक ने सोचा कि खीरे स्वादिष्ट हैं जिन्हें काटते समय ही नवाब साहब के मुँह में पानी आ रहा है| यद्यपि लेखक के मुँह में पानी भर आया फिर भी उसने खीरा खाने से मना इसीलिए किया क्योंकि पहले तो नवाब ने उनकी तरफ़ देखा भी नहीं और अचानक उन्हें खीरा खाने को आमंत्रित कर दिया| इसके अतिरिक्त लेखक ने पहली बार जब खीरा खाने को मना कर दिया तो अब हाँ करने पर उनका आत्मसम्मान नष्ट हो जाता और लेखक ऐसा नहीं चाहते थे|**	
प्रश्न 2.	**दिए गए चार प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन प्रश्नों</u> की शब्द-सीमा लगभग 30 -40 शब्द (शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)**	**[2x3=6]**
	(क) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में बादलों के विविध रूपों का चित्रण किया है? उनका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए? **उत्तर- निराला द्वारा कृत कविता 'उत्साह' में बादलों का अनेक रूपों में चित्रण किया गया है| क्रांति और परिवर्तन के प्रतीक 'बादल' काले, घुँघराले और बाल-कल्पनाओं से युक्त हैं| यदि बादल सर्वकल्याणकारी हैं तो विध्वंसक भी बन जाते हैं| उसी प्रकार युवा शक्ति है जिसे सही मार्गदर्शन मिले तो समाज एवं देश के लिए कल्याणकारी बनेगी|**	

TIMES NOW

	(ख) 'कन्यादान' कविता में माँ की परंपरागत छवि से हटकर नए दृष्टिकोण से विचार किया गया है| उसमें नया क्या है? आप उन विचारों से कहाँ तक सहमत हैं और क्यों? **उत्तर- कविता में स्त्री जीवन की गहरी संवेदनशीलता प्रकट हुई है| इसमें कोरी भावुकता नहीं बल्कि माँ के संचित अनुभवों की पीड़ा की प्रामाणिक अभिव्यक्ति हुई है| कविता में माँ अपनी बेटी को कठिन परिस्थितियों के प्रति सचेत करती हुई नारी जागृति का संदेश दे रही है और उसे आदर्शीकरण का प्रतिकार करने की सलाह देती है|** **कविता में माँ द्वारा दी गई सीख पूर्णत: आज के युग के अनुकूल है| वह भावी जीवन की सच्चाइयों से बेख़बर अपनी बेटी को जो सीख दे रही है कि वह अपने गुणों को बनाए रखे पर कमज़ोर न बने तथा अपने ऊपर दहेज़ के नाम पर होने वाले अत्याचारों/ शोषण का विरोध करे| कविता में माँ अपनी बेटी के सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण करने का प्रयास करती हुई नज़र आती है|** **(ग)** 'आग' के विषय में माँ बेटी को क्या समझा रही है और क्यों? 'आग' के संकेत से कविता किस सामाजिक बुराई की ओर भी इशारा करती है? उल्लेख कीजिए| **उत्तर- 'आग' के विषय में माँ अपनी बेटी को सीख देते हुए कहती है कि आग का प्रयोग भोजन बनाने के लिए करना न कि उसमें स्वयं को जलाकर अपने जीवन को नष्ट कर देना| ससुराल पक्ष के अत्याचारों से दुखी होकर स्वयं को हानि न पहुँचाना|** **यहाँ 'आग' के माध्यम से समाज की दो मुख्य समस्याओं की ओर संकेत किया गया है –** **1. गृह-हिंसा और स्त्रियों पर अत्याचार- बहुओं की अस्मिता पर प्रहार किया जाता है| कपड़े-गहने के नाम पर उन्हें केवल चूल्हे-चौके में झोंक दिया जाता है|** **2. दहेज के नाम पर लड़कियों को प्रताड़ित किया जाता है| उन्हें इस तरह मानसिक यंत्रणा दी जाती है कि या तो वे स्वयं आत्महत्या कर लेती हैं या उन्हें जला दिया जाता है** **(घ) प्रकृति के सौंदर्य का जो चित्र 'अट नहीं रही है'** कविता उपस्थित करती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए| **उत्तर- फागुन की आभा सर्वव्यापक है और सृष्टि के कण-कण में समायी हुई है| चारों ओर सुगंधित वातावरण व्याप्त है| फागुन की आभा और उसकी सर्वव्यापकता के दर्शन पेड़, पत्तों और फूलों आदि में होते हैं| कविता में फागुन के सौंदर्य को स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि फागुन का सौंदर्य चारों ओर झलकता है और वातावरण को सुगंधित कर देता है|/ स्वविवेकानुसार**	
प्रश्न 3.	**दिए गए तीन प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> की शब्द-सीमा लगभग 50 -60 शब्द (शब्द-सीमा का ध्यान रखते हुए उत्तरों में किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)**	**[3x2=6]**
	(क) वात्सल्य और ममता की आधार-भूमि एक रहने पर भी माता-पिता और बच्चों के संबंधों में तब से अब तक बहुत बदलाव हुए हैं|- ''माता का अंचल' पाठ के आधार पर इसे सोदाहरण स्पष्ट कीजिए| **उत्तर- माता से बच्चा भावनात्मक रूप से अधिक जुड़ा होता है तो पिता से संरक्षणात्मक रूप से, माता द्वारा सदैव बच्चे का ही पक्ष लेना, बच्चा माता के अंचल में स्वयं को अधिक सुरक्षित समझता है तो पिता का सदैव साथ रहना, खेलना आदि| पहले माता-पिता का पूरा ध्यान बच्चे की परवरिश में लगा रहता था परंतु कामकाजी होने बाद बच्चे को माता-पिता का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, उनका अधिकाधिक समय भौतिक तकनीकी**	

TIMES REVIEW

	संसाधनों में व्यतीत होता है| पहले बच्चे में संयुक्त परिवार में संस्कार स्वयं अनुकरण से अधिगृहीत हो जाते थे पर अब बच्चे व्यावहारिक अधिक हो गए हैं| [स्वविवेकानुसार] **(ख)** 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि पहाड़ के सौंदर्य पर मंत्रमुग्ध लेखिका पहाड़ों पर किस दृश्य को देख क्षुब्ध और परेशान हो उठती हैं? क्या आपने भ्रमण या पर्यटन के दौरान ऐसे दृश्य देखे हैं? ऐसे दृश्यों और अपने मन पर पड़े उनके प्रभाव को अपने शब्दों में लिखिए| **उत्तर- प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को सड़क बनाने के लिए पत्थर तोड़ती, सुंदर, कोमलांगी पहाड़ी औरतों का दृश्य झकझोर गया। उसने देखा कि उस अद्वितीय सौंदर्य से निरपेक्ष कुछ पहाडी औरतें पत्थरों पर बैठी पत्थर तोड़ रही थीं। उनके हाथों में कुदाल और हथौड़े थे और कइयों की पीठ पर डोको (बड़ी टोकरी) में उनके बच्चे भी बँधे थे। यह विचार उसके मन को बार-बार झकझोर रहा था कि नदी, फूलों, वादियों और झरनों के ऐसे स्वर्गिक सौंदर्य के बीच भूख, मौत, दैन्य और जिजीविषा के बीच जंग जारी है।/ स्वविवेकानुसार** **(ग)** 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि रानी के आगमन पर राजधानी में क्या-क्या तैयारियाँ हो रही थीं? इस तैयारी और बदलाव के पीछे भारतीय प्रशासन की कौन-सी मानसिकता थी? इसे देख आपको क्या अनुभव होता है? **उत्तर- तैयारियाँ –**रानी एलिज़ाबेथ के आगमन से भारत की राजधानी में हलचल बढ़ गई| उनके आगमन से पूर्व सड़कों को नवीनीकरण किया गया, सरकारी/ अर्धसरकारी इमारतों, भवनों पर रंग-रोगन करवाया गया, सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए, सरकारी भवनों पर झंडे लगवाए गए, बड़ी-बड़ी इमारतों पर रंगीन रोशनी का प्रबंध किया गया|अखबारों में रानी एलिज़ाबेथ, प्रिंस फ़िलिप, उनके नौकरों, बावर्चियों, अंगरक्षकों तथा कुत्तों की जीवनी तथा तस्वीरें छपने लगी| **भारतीय प्रशासन की मानसिकता-** रानी के दौरे से प्रभावित होने वालों में विभिन्न समाचार-पत्र, विभिन्न विभागों के अधिकारी, करचरी, मंत्री आदि विशेष रूप से प्रभावित हुए| सरकारी तंत्र दिल्ली की साफ़ और सुंदर तस्वीर प्रस्तुत करना चाहता था| इसके अलावा मंत्रियों एवं अफसरों की परेशानी तो देखते ही बनती थी क्योंकि जॉर्ज पंचम की लाट की टूटी हुई नाक लगाने का प्रबंध उन्हें जो करना था| साथ ही '**अतिथि देवो भव:', भारतीय संस्कृति एवं विदेशी का सम्मान आदि भी विशेष कारण रहे|** **हमें लगता है कि सभी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन उचित प्रकार करना चाहिए, स्वस्वार्थ-सिद्धि का त्याग कर कर्मयोग पर बल देना चाहिए तभी समाज और देश भ्रष्टाचार मुक्त बन सकेगा|/[स्वविवेकानुसार]**	
	खंड- ब (रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के मूल्याँकन बिंदु)	**20**
प्रश्न 4.	**दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी <u>एक विषय</u> पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग <u>150 शब्दों में</u> अनुच्छेद लेखन -**	**[5]**
	अनुच्छेद लेखन के मूल्यांकन हेतु अंक-विभाजन : • प्रस्तुति/भूमिका = 1 अंक • विषय-वस्तु = 3 अंक भाषा-शुद्धता = 1 अंक	

TIMESNOW

प्रश्न 5.	**दिए गए दो पत्रों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लेखन -**	**[5]**
	पत्र लेखन के मूल्यांकन हेतु अंक-विभाजन : • प्रारंभ एवं अंत की औपचारिकताएँ = 1 अंक • विषयवस्तु- प्रस्तुति = 3 अंक • भाषा = 1 अंक	
प्रश्न 6.	**6 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में आकर्षक एवं सचित्र विज्ञापन लेखन-**	**[2.5+2.5=5]**
	2.5 अंक के विज्ञापन लेखन के मूल्यांकन हेतु अंक-विभाजन : • रचनात्मक प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 1 अंक • शब्द चयन एवं प्रभावशाली भाषा- = 1/2 अंक	
प्रश्न 7.	**7 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक संदेश लगभग 40 शब्दों में संदेश लेखन-**	**[2.5+2.5=5]**
	2.5 अंक के संदेश लेखन के मूल्यांकन हेतु अंक-विभाजन : 1. समय एवं तिथि- 0.5 अंक 2. संबोधित व्यक्ति तथा विषय-विस्तार, प्रेषक का नाम – 1 अंक 3. शुद्धता एवं धाराप्रवाहिता- 0.5 अंक **अथवा** • रचनात्मक प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 1 अंक • शब्द चयन एवं प्रभावशाली भाषा = 1/2 अंक	

---------- शुभकामनाओं सहित----------

मिस सोनिया गुप्ता
हिंदी (टी.जी. टी.)
विद्याज्ञान स्कूल, बुलंदशहर
उत्तर प्रदेश (203202)

TIMESNOW